an>

Title: Need to provide clean drinking water in all the villages in the country.

श्री दहन मिश्र (श्रावस्ती): मैं सरकार का ध्यान जीवन के लिए सबसे जरूरी पेयजल की तरफ आकृष्ट करना चाहता हूँ। लगातार भूगर्भ में पेयजल की जांच से यह साबित हो चुका है कि भूगर्भ से पेयजल का उपयोग करने वाले लोग पानी में आर्सेनिक और फ्लोराईड जैसे खतरनाक तत्वों को भी निरंतर ग्रहण कर रहे हैं जिनकी वजह से प्राणघातक बीमारियों के चलते अमूल्य जीवन असमय काल के गाल में समाता जा रहा है। अशुद्ध पानी पीने के कारण एनीमिया, मुंह में जलन, लकवा, याददाश्त की कमी, लीवर फेल होना, किडनी और फेफड़ों का कैंसर जन जीवन पर कहर ढाता जा रहा है।

गांव हो या शहर, हर जगह गहराई से पीने का पानी प्राप्त करने वाले लोग लगातार बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। मंहगी चिकित्सा के कारण समय से इलाज न हो पाने पर मौत से जीतना मुश्किल होता जा रहा है। पेयजल के इस भारी संकट पर भारत सरकार को गंभीरता से चिंतन कर समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। पहले इंडिया मार्का 2 हैंड पम्प की स्थापना सांसद विकास निधि से की जाती थी। उक्त हैंडपंप अधिक गहराई से पानी उठाते थे तो उसमें शुद्ध पेयजल की संभावना बनी रहती थी। उक्त व्यवस्था अब समाप्त कर दी गई है। अतः मैं भारत सरकार से मांग करता हूं कि प्रत्येक गांवों में पीन के पानी के लिए टैंक का निर्माण करवाकर उसमें आधुनिक मशीनों द्वारा शुद्ध पेयजल का संग्रह कर लोगों को पीने का पानी मुहैया करवाया जाए। जब तक हर घर में शौचालय और घर में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था नहीं हो जाती है तब तक स्वस्थ, सुंदर और साक्षर भारत का सपना साकार नहीं हो सकता है।